भारतीय जनता पार्टी

(केंद्रीय कार्यालय)

6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

Friday, 28 September 2018

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह जी का प्रेस वक्तव्य

'भीमा-कोरेगांव' मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले से कांग्रेस पार्टी, राहुल गाँधी और देश की सुरक्षा पर राजनीति करने वाले तमाम विपक्षी नेताओं एवं तथाकथित विचारकों की सच्चाई आज देश की जनता के सामने आ चुकी है

****

भारत तार्किक बहस, परिचर्चा और असहमति की स्वस्थ संस्कृति के साथ एक जीवंत लोकतंत्र है। हालांकि, हमारे नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से देश के खिलाफ साजिश रचना इसका अंग कतई नहीं है

****

जिन लोगों ने तुष्टीकरण के लिए देश की सुरक्षा का राजनीतिकरण किया है, उन्हें राष्ट्र से माफी माँगनी चाहिए

****

जड़ता और मूढ़ता के लिए देश में केवल और केवल एक ही जगह है और वह है कांग्रेस पार्टी

****

कांग्रेस पार्टी का राग 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' देने वाले देशद्रोही गैंग के लिए बजता है, उसकी धुन नक्सलियों व देश में अराजकता फैलाने वालों के धुन से मिलती है और उसकी तान भ्रष्ट तत्वों और नकली सामाजिक कार्यकर्ताओं के राष्ट्रद्रोही सुर पर ही बजता है

****

ईमानदारों और देश के लिए निरंतर काम करने वाले लोगों को झूठ और प्रपंच के सहारे बदनाम करना कांग्रेस पार्टी की आदत हो गई है, यही राहुल गाँधी की कांग्रेस है!

****

राहुल गाँधी एंड कंपनी स्पष्ट करे कि वह अर्बन नक्सलियों के साथ है, अवैध घुसपैठियों के साथ है या फिर देशवासियों के साथ। कांग्रेस को अर्बन नक्सलियों और अवैध घुसपैठियों के मानवाधिकार की तो चिंता है लेकिन देशवासियों की चिंता तनिक भी नहीं है

****

कभी राहुल गाँधी एनआरसी पर अवैध घुसपैठियों के साथ खड़े हो जाते हैं तो कभी जेएनयू में देशद्रोही नारे लगाने वालों के साथ।अब तो वे देश के प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचने वाले

अर्बन नक्सलियों के साथ खड़े हो गए। क्या जन-समर्थन के साथ-साथ राहुल गाँधी अपना संतुलन भी खो चुके हैं?

****

हद तो यह गई है कि राहुल गाँधी स्वयं सर्जिकल स्ट्राइक में जवानों की अदम्य वीरता को 'खून की दलाली' की संज्ञा देते हैं और यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गाँधी आतकवादियों की मौत पर रात-रात भर आंसू बहाती हैं। कांग्रेस की ऐसी राष्ट्रभक्ति को मेरा दूर से ही नमस्कार है!

****

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने 'भीमा-कोरेगांव' मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि **इस फैसले से कांग्रेस पार्टी, राहुल गाँधी और देश की सुरक्षा पर राजनीति करने वाले तमाम विपक्षी नेताओं एवं तथाकथित विचारकों की सच्चाई आज देश की जनता के सामने आ चुकी है**।

श्री शाह ने अर्बन नक्सलियों की गिरफ्तारी पर राहुल गाँधी के ट्वीट को कोट करते हुए अपने ट्वीट में कहा कि **जड़ता और मूढ़ता के लिए देश में केवल और केवल एक ही जगह है और वह है कांग्रेस पार्टी।** उन्होंने कहा कि **कांग्रेस पार्टी का राग 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' देने वाले देशद्रोही गैंग के लिए बजता है, उसकी धुन नक्सलियों व देश में अराजकता फैलाने वालों के धुन से मिलती है और उसकी तान भ्रष्ट तत्वों और नकली सामाजिक कार्यकर्ताओं के राष्ट्रद्रोही सुर पर ही बजता है।**

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि **ईमानदारों और देश के लिए निरंतर काम करने वाले लोगों को झूठ और प्रपंच के सहारे बदनाम करना कांग्रेस पार्टी की आदत हो गई है, यही राहुल गाँधी की कांग्रेस है!**

श्री शाह ने कहा कि भा**रत तार्किक बहस, परिचर्चा और असहमति की स्वस्थ संस्कृति के साथ एक जीवंत लोकतंत्र है। हालांकि, हमारेनागरिकों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से देश के खिलाफ साजिश रचना इसका अंग कतई नहीं है। जिन लोगों ने तुष्टीकरण के लिए देश की सुरक्षा का राजनीतिकरण किया है, उन्हें राष्ट्र से माफी माँगनी चाहिए।**

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि महाराष्ट्र पुलिस ने देश को अस्थिर करने वालों, मोर्टार खरीद कर देश को तबाह करने का इरादा पालने वालों, जातिवाद का जहर फैलाने वालों और देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचने वालों को गिरफ्तार किया लेकिन कांग्रेस पार्टी की हद तो देखिये कि वह फिर से देशद्रोही गतिविधियों में संलिप्त अर्बन नक्सलियों के समर्थन में खड़ी हो गई।

श्री शाह ने कहा कि **राहुल गाँधी एंड कंपनी स्पष्ट करे कि वह अर्बन नक्सलियों के साथ है, अवैध घुसपैठियों के साथ है या फिर देशवासियों के साथ। कांग्रेस को अर्बन नक्सलियों और अवैध घुसपैठियों के मानवाधिकार की तो चिंता है लेकिन देशवासियों की चिंता तनिक भी नहीं है!**

इतिहास में कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रद्रोहियों के समर्थन में खड़े होने के उदाहरणों को उद्धृत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष कहा कि **कभी राहुल गाँधी एनआरसी पर अवैध घुसपैठियों के साथ खड़े हो जाते हैं, कभी जेएनयू में भारत विरोधी नारे लगाने वालों के साथ खड़े हो जाते हैं और अब तो वे देश के प्रधानमंत्री की हत्या की साजिश रचने वाले अर्बन नक्सलियों के साथ खड़े हो गए।** ये कांग्रेस पार्टी की किस तरह की राजनीति है? **क्या जन-समर्थन के साथ-साथ राहुल गाँधी अपना संतुलन भी खो चुके हैं?**

श्री शाह ने कहा कि **देशद्रोहियों का समर्थन करना कांग्रेस पार्टी के लिए कोई नई बात नहीं है। ऐसे कई उदाहरण भरे-पड़े हैं।** कभी कांग्रेस के नेता कश्मीर की आजादी की बात करने लगते हैं, कभी देश की आर्मी का अपमान

करते हैं, कभी पाकिस्तान जाकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी को हारने में समर्थन की मांग करते हैं तो कभी आतंकवादियों को 'जी' और साहब' कह कर संबोधित करते हैं। उन्होंने कहा कि **हद तो यह गई है कि राहुल गाँधी स्वयं सर्जिकल स्ट्राइक में जवानों की अदम्य वीरता को 'खून की दलाली' की संज्ञा देते हैं और यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गाँधी आतकवादियों की मौत पर रात-रात भर आंसू बहाती हैं। कांग्रेस की ऐसी राष्ट्रभक्ति को मेरा दूर से ही नमस्कार है!**